म.प्र. वाटर सेक्टर रिस्ट्रक्चरिंग परियोजना (MPWSRP) कृषकों के लिए एक वरदान

मध्य प्रदेश–विदिशा के छोटे से गाँव सायर की रहने वाली सुश्री रेणु तोमर अभी शिक्षा ही ग्रहण कर रही थीं कि उनका ध्यान खेती कर रहे उनके पिता श्री शक्ति सिंह की खेती के प्रति लगनशीलता की ओर गया। जिसे देखकर उन्हें अहसास हुआ कि उनके लिए कृषि से बढ़कर कोई विकल्प नहीं है। जिस समय यह
भाव उनके मन के अन्दर चल रहा था कि संयोग से वहाँ कृषि विभाग के अधिकारी कृषकों को प्रशिक्षण देने गांव में के प्रति लगाव को और बढ़ा दिया। यह जानकार उसे बहुत खुशी हुई कि उनकी स्वयं की कृषि के साथ–साथ गाँव वालों को भी इससे बहुत लाभ होगा, तो उन्होंने इस योजना का लाभ लेने का निश्चय अपने पिता श्री को बताया।

क्र.	यंत्र का नाम	कार्य के घंटे	।तमं बवअमतमक पद ंबतमे	सम्पन्न कृषि कार्य	विशेष लाभ
1	रिवर्सिवल प्लाऊ	275	120	गहरी– जुताई	जल संधारण क्षमता में बढ़ोत्री, कीट व्याधि नियंत्रण व उत्पादकता गुण में वृद्धि आदि ।
2.	लेवलर	115	70	समतलीकरण	जहाँ पहले सिंचाई कार्य हेतु 2–3 मजदूर लगते थे जमीन लेबल होने से 1 ही मजदूर लगा : लेवर बचत।
3.	कल्टीवेटर/रोटोवेटर	225	100–150	जुताई	15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत फसल उत्पादन में वृद्धि।
4.	सीड/फटीलाइजर ड्रिल	214	100	बोनी	–––––––तदैव–––––––––
5.	सीड ग्रेडर	–	100–150	बीज तैयारी	स्वयं का बीज तैयार :– खेती में लागत कम।
6.	स्प्रेयर	70	300	दवा–स्प्रे	सोयाबीन फसल, व चना फसल में कीट व्याधि रोकथाम एवं यूरिया का घोल बनाकर गेहूँ फसल में उर्वरक

					दिया।
7.	स्ट्रा क्लेक्शन मशीन एवं ट्रेक्टर–छाली	51	–	भूसा एकत्रीकरण	बेकार जाने वाले भूसा को एकत्रित कर संबंधित कृषकों के भंडार गृह तक पहुंचाया : 291 ट्राली

सुश्री रेणु तोमर को प्रथम वर्ष 2013 में ही उत्पादन के लाभ के साथ साथ राशि रू. 3.40 लाख का नगद शुद्ध आर्थिक लाभ भी मिला सभी खर्चे काटकर। एक इन्टरव्यूह में सुश्री रेणु तोमर ने बताया कि कुल 18.00 लाख का प्रोजेक्ट बना 9.00 लाख अनुदान सीधे बैंक खाते में जमा हुआ शेष 9.00 लाख के विरूद्ध 3.60 लाख बैंक में जमा किये शेष राशि रू. 5.40 लाख का बैंक से ऋण स्वीकृत हुआ। इस तरह राशि रू. 18 लाख से क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार उन्होंने एक ट्रेक्टर, दो ट्राली, कल्टीवेटर, रिवर्सिवल प्लाऊ, लेबलर, सीड़ कम फर्टीलाइजर ड्रिल, सीड़ ग्रेडर, ट्रेक्टर माउन्टेड स्प्रेयर और भूसा एकत्रित करने की मशीने अपनी इच्छा से मार्केट से क्रय की। स्वयं की भूमि में उक्त यंत्रों से खेती की ओर समय चलते गांव के अन्य कृषकों की मांग पर किराये के आधार पर मशीनों उपलब्ध कराकर कृषि कार्य सम्पन्न कराये।

एक अनुमान के अनुसार कुल 950 घंटे ट्रेक्टर चला जो स्वयं में एक कीर्तिमान है। इस 950 घंटे में निम्नानुसार कृषि कार्य सम्पन्न हुये।

फसल उत्पादकता बढ़ने के अतिरिक्त सुश्री रेणु ने फार्म मेंकेनाईजेशन से हुये अनेक लाभ भी गिनवाये जैसे कि :–

1. समय पर कृषि कार्य सम्पन्न हुये जिसका अपना अलग ही महत्व है।
2. कृषि कार्य में समय की बचत हुई।
3. समय पर कार्य हेतु ट्रेक्टर आदि मशीनें गाँव वालों को गाँव में सहजता से उपलब्ध हो गई।
4. सोयबीन फसल, रिजएण्ड फरो पद्धिति से बोने का परिचय एवं लाभ प्राप्त हुआ।
5. रोटावेटर के उपयोग से एकवार में ही खेत बोनी हेतु तैयार हो गया, जबकि पहले 3 बार कल्वीवटेर चलाने से खेत तैयार होता था, इस तरह 2 बार की लागत की बचत हुई।
6. भूसा एकत्रित होने से मवेशियों के लिए भूसा प्रचुर मात्रा में सस्ते में उपलब्ध हो गया।

सुश्री रेणु ग्रेजुएट हो चुकी थीं, पिता की मदद से उन्होंने निजी कस्टम हायरिंग सेंटर की गांव में स्थापना की। शासकीय योजना अनुसार उन्हें 50 प्रतिशत अनुदान की राशि रू. लगभग 9.00 लाख का लाभ भी जल संसाधन विभाग की विश्व बैंक परियोजना (डब्ल्यूआरसी) से तत्काल मिला।

म.प्र वाटर सेक्टर रिस्ट्रक्चरिंग प्रोजेक्ट कार्यालय

श्री पी.के.जैन, कृषि विशेषज्ञ द्वारा मैदानी भ्रमण

(पी.के. जैन)

कृषि विशेषज्ञ

विश्व बैंक परियोजना

जल संसाधन विभा भोपाल